Guru Jambheshwar University of Science & technology Hisar.
In news In November 2018

रिम्पोछे के योगदान से ही लद्दाख आज भारत का हिस्सा : वांगचू

अमर उजाला ब्यूरो

सोनम वांगचू को स्मृति चिह्न देते वीसी प्रो. टंकेश्वर कुमार व अन्य।

हिसार। लद्दाख के सोनम वांगचू का कहना है कि 19वें कुशोक बकुला रिम्पोछे एक महान राष्ट्रवादी भारतीय थे। उन्होंने अपना पूरा जीवन भारतीयता के लिए समर्पित कर दिया। उनके योगदान के चलते ही लद्दाख आज भारत का भाग है अन्यथा 1947 में लद्दाख तक पाकिस्तानी आक्रमणकारी पहुंच गए थे। सोनम वांगचू बुधवार को विश्वविद्यालय के चौ. रणबीर सिंह सभागार में 19वें कुशोक बकुला रिम्पोछे की जन्मशती के उपलक्ष्य पर आयोजित विशेष व्याख्यान में बतौर मुख्य वक्ता के रूप में बोल रहे थे। कार्यक्रम जम्मू-कश्मीर अध्ययन केंद्र व गुजवि के राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान कार्यालय ने करवाया। अध्ययन केंद्र अध्यक्ष प्रो. राघवेंद्र तंवर तथा महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक के कुलसचिव डा. जितेंद्र भारद्वाज विशिष्ट अतिथि रहे।

वांगचू ने बताया कि भारत रिम्पोछे के बारे में कम जानता है जबकि दुनिया में उन्हें ज्यादा जाना जाता है। वे दस वर्ष तक मंगोलिया के राजदूत रहे। मंगोलिया में उनका दर्जा आज भी एक धर्मगुरु जैसा ही है। रिम्पोछे पांच साल की उम्र में ही मठ में भेज दिए गए थे। उसके बाद से वे जीवन भर अपने घर नहीं लौटे। हालांकि उनका जन्म राजसी परिवार में हुआ था। वे तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरु के कहने पर राजनीति में आए और हमेशा उच्च आदर्शों की राजनीति की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जब लद्दाख गए तो उन्होंने भी रिम्पोछे को याद किया। रिम्पोछे ने उस समय चीन को लेकर भी चेताया था, लेकिन उनकी बात पर ध्यान नहीं दिया। रिम्पोछे 1967 से लेह-मनाली सड़क मार्ग की मांग कर रहे थे, लेकिन सरकारों ने ध्यान नहीं दिया। कारगिल युद्ध के दौरान पता चला कि उनकी यह मांग कितनी ज्यादा उचित थी। रिम्पोछे को मंगोलिया द्वारा उस देश का श्रेष्ठ सम्मान भी दिया गया था। भारत ने उन्हें पद्मभूषण से सम्मानित किया है। अध्ययन केंद्र के अध्यक्ष प्रो. राघवेंद्र तंवर ने कश्मीर समस्या के ऐतिहासिक पहलुओं की विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि कश्मीर इतिहास में हिंदुत्व केंद्र था। वहां आज भी करीब एक हजार साल पुराना शंकराचार्य का मंदिर है। वहां की नदियों और पहाड़ों के नाम हिंदू देवी-देवताओं से जुड़े हुए हैं। अक्तूबर 1947 में जो कश्मीर पर कबिलाई आक्रमण हुआ था, वह वास्तव में पाकिस्तान का फौजी आक्रमण ही था। उस समय कुछ राजनीतिक भूलों के चलते कश्मीर में समस्या उत्पन्न हुई, जो आज विकराल रूप ले चुकी है। इस मौके पर कुलपति टंकेश्वर कुमार, राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान के निदेशक प्रो. नीरज दिलबागी, डा. प्रदीप, विवेक बाल्याण, लोकेश कुमार आदि उपस्थित थे।

अमर उजाला - 1/11/18

कश्मीर हमारे लिए कोई समस्या नहीं : प्रो.टंकेश्वर

हिसार, 31 अक्तूबर (पंकेस): लद्दाख के सोनम वांगचू ने कहा है कि 19वें कुशोक बकुला रिम्पोछे एक महान राष्ट्रवादी भारतीय थे। उन्होंने अपना पूरा जीवन भारतीयता व बौद्ध धर्म के लिए समर्पित कर दिया। उनके योगदान के चलते ही लद्दाख आज भारत का भाग है। अन्यथा 1947 में लद्दाख तक पाकिस्तानी आक्रमणकारी पहुंच गए थे। सोनम वांगचू बुधवार को विश्वविद्यालय के चौ. रणबीर सिंह सभागार में 19वें कुशोक बकुला रिम्पोछे की जन्मशती के उपलक्ष्य पर आयोजित एक विशेष व्याख्यान को बतौर मुख्यवक्ता सम्बोधित कर रहे थे। कार्यक्रम का आयोजन जम्मू कश्मीर अध्ययन केंद्र व गुजवि प्रौ.वि. हिसार के राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान कार्यालय के सौजन्य से किया गया। अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। जम्मू कश्मीर अध्ययन केंद्र के अध्यक्ष प्रो. राघवेन्द्र तंवर तथा महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक के कुलसचिव डा. जितेंद्र भारद्वाज विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान के निदेशक प्रो. नीरज दिलबागी मुख्य रूप से उपस्थित रहे। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि कश्मीर हमारे लिए कोई समस्या नहीं है। जम्मू कश्मीर में कुछ समस्याएं हैं। जिन्हें हमें समझना होगा। इस अवसर पर जम्मू कश्मीर अध्ययन केंद्र के सचिव विवेक बाल्याण व कोषाध्यक्ष लोकेश कुमार भी मुख्य रूप उपस्थित रहे।

पंजाब केसरी - 1/11/18

गुजवि की टीम ने कुश्ती मुकाबले में जीता गोल्ड

डॉ. बाबा साहब अंबेडकर विवि. मराठवाड़ा, औरंगाबाद में ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी वुमन रेसलिंग चैंपियनशिप में हासिल की पहली जीत

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। डॉ. बाबा साहब अंबेडकर विश्वविद्यालय मराठवाड़ा, औरंगाबाद में चल रही ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी वुमन रेसलिंग चैंपियनशिप में गुजवि की पहलवान अंकुश ने 53 किलोग्राम भार वर्ग में चौ. बंसीलाल यूनिवर्सिटी की ऊषा और फाइनल में एमडी यूनिवर्सिटी की किरण को एकतरफा मुकाबले में 10-0 से पटकनी देते हुए गोल्ड मेडल पर कब्जा जमाया है।

डायरेक्टर ऑफ स्पोर्ट्स डॉ. एसबी लूथरा ने बताया कि कोच संजीव कुमार के नेतृत्व में गई टीम का प्रदर्शन बेहद ही जानदार और शानदार रहा। यह गुजवि की ओर 2018-19 सत्र का पहला गोल्ड मेडल है। हालांकि 62 किलोग्राम भार वर्ग में संयोगिता और 68 किलोग्राम भार वर्ग में मोनिका ने भी अच्छा प्रदर्शन किया, लेकिन वे पदक से चूक गई। सेमीफाइनल में वे अपनी जीत को बरकरार नहीं रख पाई और दोनों को ही चौथे नंबर पर संतोष करना पड़ा। यह जानकारी पीआरओ बिजेंद्र दहिया ने दी।

मुकाबले में जीत हासिल करने के बाद अपने पदक दिखाते विजेता खिलाड़ी। अमर उजाला

जींद के सीआरएसयू में चल रही उत्तरी जोन अंतर विश्वविद्यालय प्रतियोगिता में गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की महिला हैंडबॉल टीम। अमर उजाला

उधर, सीआरएसयू जींद में चल रही उत्तरी जोन अंतर विश्वविद्यालय में गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की महिला हैंडबाल टीम का शानदार प्रदर्शन बरकरार है। डायरेक्टर ऑफ स्पोर्ट्स डॉ. एसबी लूथरा ने बताया कि टीम ने ऑल इंडिया अंतर

पंजाब व अवध विवि को हरा चुकी गुजवि टीमें

इससे पहले गुजवि की टीम ने कांटेदार मुकाबलों में पंजाब विश्वविद्यालय पटियाला को 12 के मुकाबले 17 गोल से, आरएमएल अवध यूनिवर्सिटी (यूपी) को 21 के बदले 27 तथा हाल ही में सीसीएस यूनिवर्सिटी मेरठ को 18-23 से शिकस्त दी। कोच कृष्ण पूनिया ने बताया कि टीम के मुकाबले अब आंध्रप्रदेश के वारंगल में होंगे।

अमर उजाला-5-11-18

तीन स्वर्ण पदक जीत जीजेयू ने पाया दूसरा स्थान

जागरण संवाददाता, हिसार : ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी की वुमन रेसलिंग चैंपियनशिप में गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय की पहलवानों ने जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए दूसरा स्थान हासिल किया है। विश्वविद्यालय की टीम की दो पहलवानों वंदना और सोनिका ने सोमवार को हुए क्रमशः 57 और 65 किलोग्राम भारवर्ग के मुकाबलों में प्रतिद्वंदी पहलवानों को चित कर गोल्ड मेडल पर कब्जा किया। इसके साथ ही इस प्रतियोगिता में गुजवि के गोल्ड मेडल की संख्या 3 हो गई। रविवार को 53 किलोग्राम भारवर्ग में अंकुश ने गोल्ड हासिल किया था। डा. बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर यूनिवर्सिटी मराठवाड़ा, औरंगाबाद में हुई इस चैंपियनशिप में हरियाणा के खिलाड़ियों का दबदबा रहा। चैंपियनशिप में महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक की पहलवानों ने विश्वविद्यालय को पहला स्थान दिलाया। वानी ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी की वुमन रेसलिंग चैंपियनशिप हरियाणा की पहलवानों के नाम ही रही। अधिकांश फाइनल और सेमीफाइनल मुकाबले हरियाणा के विश्वविद्यालयों के खिलाड़ियों के बीच ही हुए। कोच संजीव आर्य ने बताया कि इस चैंपियनशिप में देश के विभिन्न हिस्सों के लगभग 100 विश्वविद्यालयों ने भाग लिया। गुजवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के अलावा खेल निदेशक डा. एसबी लूथरा, जाट कालेज के खेल इंचार्ज डा. महेश खयालिया ने खिलाड़ियों को बधाई दी।

चैंपियनशिप के विजेता गुजवि खिलाड़ियों को सम्मानित करते अतिथिगण।

वंदना ने अंतरराष्ट्रीय पहलवान को किया चित

चैंपियनशिप में गवर्नमेंट पीजी कालेज की वंदना हुड्डा ने 57 किलोग्राम भारवर्ग में महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय की अंतरराष्ट्रीय स्तर की पहलवान रीना को चित कर दिया। दोनों के बीच शुरुआत में कांटे का मुकाबला था, लेकिन जैसे-जैसे समय बीता वंदना ने अपनी प्रतिद्वंद्वी खिलाड़ी को चारों खाने चित करते हुए गोल्ड मेडल हासिल किया। वंदना मूलरूप से जींद के सीसर गांव की रहने वाली है।

सोनिका ने पाई उपलब्धि : साई सेंटर में अभ्यास करने वाली चौधरी छाजूराम जाट मेमोरियल कालेज की खिलाड़ी सोनिका हुड्डा ने 65 किलोग्राम भारवर्ग में कुवि की शिवानी को चित किया।

जीजेयू में फिजिक्स विभाग के 31 स्टूडेंट्स ने किया मोहाली सेमीकंडक्टर लैब का दौरा

अंतरिक्ष विभाग ने व्याख्यान का आयोजन किया

मोहाली की सेमीकंडक्टर प्रयोगशाला का दौरा करने वाले जीजेयू के फिजिक्स विभाग के स्टूडेंट्स।

हिसार | जीजेयू के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल ने बीएससी (ऑनर्स) फिजिक्स के तृतीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों के लिए औद्योगिक दौरा कराया। बीएससी (ऑनर्स) फिजिक्स के 31 विद्यार्थियों ने भारत सरकार के अंतरिक्ष विभाग, मोहाली की सेमी कंडक्टर प्रयोगशाला का दौरा फिजिक्स शिक्षकों डॉ. विवेक गुप्ता व अनिता के नेतृत्व में किया। इस दौरान अंतरिक्ष विभाग द्वारा एक व्याख्यान का आयोजन किया गया। इसमें वरिष्ठ वैज्ञानिकों ने विद्यार्थियों को सेमी कंडक्टर प्रयोगशाला की सुविधाओं के बारे में जानकारी दी। एचआरडी हेड कुलभूषण ने छात्रों को सीएमओएस आधारित एकीकृत सर्किट डिजाइन लैब, फैब्रिकेशन लैब व पैकेजिंग लैब का दौरा करवाया। सेमी कंडक्टर प्रयोगशाला में कला सुविधाओं को देखकर छात्र प्रसन्न हुए। यह सेमीकंडक्टर डिवाइस फैब्रिकेशन में छात्रों के लिए एक अच्छा अनुभव था। सेमी कंडक्टर प्रयोगशाला मोहाली भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के लिए सीएमओएस एकीकृत सर्किट बनाती है।

दैनिक भास्कर - 7/11/18

वैदिक मैथमेटिक्स की उपयोगिता और व्यापकता विषय पर किया जागरूक

जीजेयू में हुई वैदिक गणित पर एक दिवसीय कार्यशाला

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल एवं गणित विभाग के संयुक्त तत्वाधान में बीरवार को 'वैदिक मैथमेटिक्स की उपयोगिता और व्यापकता' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन चौधरी रणबीर सिंह सभागार में किया गया। विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक प्रो. यशपाल सिंगला कार्यशाला के उद्घाटन समारोह में बतौर मुख्यातिथि उपस्थित थे, जबकि अध्यक्षता प्लेसमेंट निदेशक प्रताप सिंह मलिक ने की। वैदिक गणित विशेषज्ञ राकेश भाटिया और मारुति शर्मा कार्यशाला में मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे।

परीक्षा नियंत्रक डॉ. यशपाल सिंगला ने बताया कि गणित विषय सभी विषयों का आधार है। इस विषय को पूरी रुचि और आनंद से सीखने में वैदिक गणित उपयोगी भूमिका निभा सकता है। वैदिक गणित विशेषज्ञ राकेश भाटिया और मारुति शर्मा ने अलग-अलग सत्रों में वैदिक गणित के 16 मुख्य सूत्रों और 13 उप सूत्रों की जानकारी दी। वैदिक गणित की उत्पत्ति और प्रसार पर राकेश भाटिया ने बताया कि भारती कृष्ण तीर्थ महाराज ने 1911 से 1918 के मध्य अपने प्राचीन वेदों का गहन अध्ययन किया और वैदिक गणित की रचना की। उन्होंने बताया कि वैदिक गणित की गणितीय समस्या को हल करने की अनेक विधियां हैं, जिनके प्रयोग से उत्साह, आनंद, विश्वास और अनुसंधान प्रवृत्ति का जागरण होता है। यह विधि गणित अध्ययन के दृष्टिकोण में परिवर्तन लाने वाला है तथा शोध एवं विकास के लिए नया दृष्टिकोण प्रस्तुत करता है। इस पद्धति में उत्तर की सरल जांच पद्धति सहज रूप में समाविष्ट है। 'निखिलं नवतः चरमं दशतः', 'ऊर्ध्व तिर्यग्भ्याम', 'एकाधिकेन पूर्वेण' और 'यावदूनम तावदूनम वर्ग च योजयेत' जैसे प्रसिद्ध सूत्रों की जानकारी और उन पर आधारित गणनाओं का अभ्यास विद्यार्थियों ने किया। दूसरे विशेषज्ञ मारुति शर्मा ने प्रतियोगी प्रतियोगिताओं में वैदिक गणित की उपयोगिता की चर्चा की और प्राइम नंबर से संबंधित विभिन्न प्रॉब्लिम्स को वैदिक गणित के सूत्रों से हल करना सिखाया।

मारुति शर्मा को सम्मानित करते परीक्षा नियंत्रक और प्लेसमेंट सेल के पदाधिकारी।

यूजीसी-मानव संसाधन विकास केंद्र में मैथडोलॉजी कोर्स का शुभारंभ

हिसार। गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. अनिल कुमार पुंडीर ने कहा है कि शिक्षकों को विद्यार्थियों के आदर्श के रूप में कार्य करना चाहिए। शिक्षा एवं शोध समाज के लिए उपयोगी होने चाहिए। महत्वपूर्ण ये नहीं है कि शोध कितने किए गए। महत्वपूर्ण ये है कि शोध किस स्तर के किए गए। डॉ. कुमार पुंडीर बीरवार को विश्वविद्यालय के यूजीसी-मानव संसाधन विकास केंद्र में 'इंटर डिसिप्लीनरी रिफ्रेशर कोर्स ऑन रिसर्च मैथडोलॉजी' विषय पर शुरू हुए कोर्स के उद्घाटन समारोह को बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे।

अमर उजाला - 16-11-18

जीजेयू में इंटर डिसीप्लीनरी रिफ्रेशर कोर्स ऑन रिसर्च मैथडोलॉजी प्रारंभ, 30 प्रतिभागी लेंगे भाग

हिसार| जीजेयू के कुलसचिव डॉ. अनिल पुंडीर ने कहा कि शिक्षकों को विद्यार्थियों के आदर्श के रूप में कार्य करना चाहिए। शिक्षा एवं शोध समाज के लिए उपयोगी होने चाहिए। महत्वपूर्ण ये नहीं है कि शोध कितने किए गए। महत्वपूर्ण ये है कि शोध किस स्तर के किए गए। डॉ. अनिल कुमार पुंडीर विश्वविद्यालय के यूजीसी-मानव संसाधन विकास केंद्र में 'इंटर डिसीप्लीनरी रिफ्रेशर कोर्स ऑन रिसर्च मैथडोलॉजी' विषय पर शुरू हुए कोर्स के उद्घाटन समारोह को बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। समारोह की अध्यक्षता यूजीसी-मानव संसाधन विकास केन्द्र के निदेशक प्रो. नीरज दिलबागी ने की। प्रो. नीरज दिलबागी ने कहा कि यह कोर्स प्रतिभागियों के लिए अत्यंत लाभदायक सिद्ध होगा। यह कोर्स तीन सप्ताह तक चलेगा। कोर्स में देशभर से 30 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। निदेशक पब्लिक आउटरीच प्रो. आर बास्कर व अनुराग सांगवान कोर्स कॉर्डिनेटर हैं। कार्यक्रम का संचालन कोर्स कॉर्डिनेटर अनुराग सांगवान ने किया। इस अवसर पर शिक्षक कुलदीप सिंह भी उपस्थित थे।

जीजेयू के यूजीसी-मानव संसाधन विकास केन्द्र में रिफ्रेशर कोर्स का उद्घाटन करते कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर व डॉ नीरज दिलबागी।

दैनिक भास्कर - 16-11-18

सूक्ष्म जीवों का उपयोग कर पर्यावरण समस्याओं का समाधान कर सकते हैं : टंकेश्वर कुमार

जीजेयू में एप्लीकेशन ऑफ थर्मोडायनामिक प्रिडिक्शन डिवेलपमेंट एप्रोचिज' ज्ञान कोर्स का समापन

भास्कर न्यूज | हिसार

जीजेयू में दो हफ्ते चले मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा सम्पोषित 'एप्लीकेशन ऑफ थर्मोडायनामिक प्रिडिक्शन डिवेलपमेंट ऑफ माइक्रोबायल बायो टेक्नोलॉजिकल एप्रोचिज' विषय पर 8वें ज्ञान कोर्स का बुधवार को समापन हो गया। इस समारोह में जीजेयू वीसी प्रो. टंकेश्वर कुमार मुख्यातिथि रहे। यूक्रेन से आए विशेषज्ञ प्रो. ओलेक्जेंडर बी. तासरेव व डॉ. वीरा एम. होवोरूखा मुख्य वक्ता उपस्थित रहे।

वीसी प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि सूक्ष्म जीवों का उपयोग करके एक से अधिक पर्यावरण समस्याओं का समाधान कर सकते हैं। कचरे का क्षेत्र सड़ता है, जिससे वायु प्रदूषण होता है। उद्योगों से भी पानी निकलता है। पानी और कचरे का प्रबंधन इस प्रकार किया जाए कि उसे 1000 गुणा कम मात्रा करके उनसे

ज्ञान कोर्स के समापन पर वीसी टंकेश्वर कुमार, यूक्रेन से आए साइंटिस्ट प्रो. ओलेक्जेंडर व प्रो. वीरा व साथ में प्रो. कर्मपाल व अन्य।

खाद, ईंधन, बायोगैस, मीथेन, बायो डीजल, बायो ईंधन उत्पाद तैयार किए जाए।

ज्ञान स्कीम के स्थानीय समन्वयक प्रो. कर्मपाल नरवाल ने बताया कि भारत जैसे प्रगतिशील देशों में पर्यावरण प्रदूषण समस्या एक चुनौती के रूप में सामने आ रही है। ज्ञान जैसे कार्यक्रमों के तहत विश्व प्रसिद्ध वैज्ञानिक हमारे शैक्षणिक व शोधप्रद अनुभव बढ़ाने का कार्य करते हैं।

कार्यक्रम की संयोजिका प्रो. नमिता सिंह ने बताया कि कार्यक्रम में देशभर से 41 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम के दौरान 32 तकनीकी सत्रों का आयोजन हुआ। 27 व्याख्यान सत्र, 10 ट्यूटोरियल सत्रों व 14 प्रेक्टिकल सत्रों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को प्रायोगिक ज्ञान दिया गया कि किस प्रकार वे औद्योगिक स्तर पर तकनीक का प्रयोग कर उचित प्रबंधन कर सकते हैं। बायो एंड नैनो टेक्नोलॉजी विभाग के अध्यक्ष प्रो. विनोद कुमार छोकर ने विभागीय स्तर पर ज्ञान स्कीम के तहत अनेक कार्य सफलतापूर्वक करवाने का श्रेय जीजेयू के वीसी प्रो. टंकेश्वर कुमार व संकाय के अधिष्ठाता प्रो. अशोक चौधरी को दिया।

प्रो. ओलेक्जेंडर बी. तासरेव ने कहा कि वे जीजेयू के साथ मिलकर कार्य कर रहे हैं। उनके यूक्रेन संस्थान व जीजेयू दोनों में छात्रों, शिक्षकों व शोध के आदान-प्रदान को बढ़ावा दिया जाएगा। सह-समन्वयक प्रो. राजेश लोहचब ने प्रस्तुत किया। मंच संचालन मीनाक्षी पाहवा ने किया।

दैनिक भास्कर - 22-11-18

पहल • अहमदाबाद के इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट संस्थान के पूर्व निदेशक प्रोफेसर जगदीप छोकर मुख्य वक्ता होंगे

जीजेयू : नेशनल कॉन्फ्रेंस में 1000 रिसर्चर होंगे शामिल स्टूडेंट्स को देंगे बिजनेस सक्सेस और मैनेजमेंट टिप्स

सुभाष चंद्र | हिसार

जीजेयू के स्टूडेंट्स को वर्ल्ड के अग्रणी संस्थानों में गिने जाने वाले अहमदाबाद के इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट संस्थान के पूर्व निदेशक प्रो. जगदीप छोकर बिजनेस व मैनेजमेंट के टिप्स देंगे। मौका होगा 7-8 फरवरी महीने में होने वाले हरियाणा स्कूल ऑफ बिजनेस स्कूल की 11वीं नेशनल बिजनेस मैनेजमेंट कॉन्फ्रेंस का।

कॉन्फ्रेंस में देश-विदेश से बिजनेस व मैनेजमेंट से जुड़े करीब 1000 डेलीगेट्स एकजुट होंगे, जो स्टूडेंट्स को बिजनेस व मैनेजमेंट के नए आइडिया की जानकारी देंगे। इनमें साइंटिस्ट, रिसर्चर सहित नामी कंपनियों के दिग्गज बिजनेसमैन भी शामिल रहेंगे। कॉन्फ्रेंस के निदेशक प्रोफेसर एनएस मलिक रहेंगे। जबकि प्रो. कर्मपाल, प्रदीप गुप्ता व अनिल कुमार कन्वीनर की भूमिका निभाएंगे। कॉन्फ्रेंस में रिसर्च के साथ आर्टिकल और पोस्टर प्रेजेंटेशन भी आयोजित होगी।

देश-विदेश में बिजनेस व मैनेजमेंट में क्या नई रिसर्च है इसके लिए आयोजित की जाती है कॉन्फ्रेंस

देश-विदेश में बिजनेस व मैनेजमेंट में क्या नई रिसर्च चल रही है, किस तरह के नए प्रयोग किए जा रहे हैं, बिजनेस को बढ़ाने के लिए क्या आइडियाज अपनाए जा रहे हैं। इन सब बातों के आदान-प्रदान के लिए यह कॉन्फ्रेंस आयोजित की जाती है। देश-विदेश के बिजनेस से जुड़े प्रतिष्ठित लोगों को भी कॉन्फ्रेंस में बुलाया जाता है, ताकि उनके अनुभव का लाभ नई जनरेशन को मिल सके।

कॉन्फ्रेंस में होगी ये एक्टिविटीज

- बिजनेस मैनेजमेंट
- न्यू आइडियाज शेयरिंग
- वित्त मंत्रालय की बिजनेस को लेकर नीतियां
- बिजनेस व मैनेजमेंट बैजट कैसे जुटाएं
- स्टार्टअप बिजनेस कैसे शुरू करें • देश-विदेश के बिजनेस का तुलनात्मक अध्ययन • कंपनियों की स्ट्रेटजी।
- ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट
- फाइनांस एंड अकाउंटिंग
- मार्केटिंग मैनेजमेंट
- इंटरनेशनल बिजनेस
- इकोनॉमिक्स ट्रेंडस एंड इशूज • इंटरनेशनल बिजनेस।

करवाना होगा रजिस्ट्रेशन

कॉन्फ्रेंस में शामिल होने के लिए देश-विदेश से आने वाले डेलीगेट्स को रजिस्ट्रेशन करवाना होगा। जिसके लिए विवि की ओर से शुल्क निर्धारित है।

ये रहेगा शुल्क

- फेकल्टी - 2 हजार रुपए - 2500 रुपए
- रिसर्च स्कॉलर - 1500 - 2000
- फॉरन स्टूडेंट - 30 अमेरिकी डॉलर - 40 अमेरिकी डॉलर
- फॉरन डेलीगेट्स - 100 अमेरिकी डॉलर - 150 अमेरिकी डॉलर

जीजेयू में हरियाणा स्कूल ऑफ बिजनेस की कॉन्फ्रेंस में एक हजार के करीब डेलीगेट्स के आने की उम्मीद है। कॉन्फ्रेंस के जरिये स्टूडेंट्स को एंटरप्रेन्योरशिप व विदेशों में बिजनेस की नई जानकारियां मिलेंगी, जो उनके कैरिअर के लिए काफी लाभदायक रहेगी।
-प्रो. टंकेश्वर कुमार, वीसी, जीजेयू, हिसार।

इंटरनेशनल मार्केटिंग मैनेजर रह चुके जगदीप

हरियाणा स्कूल ऑफ बिजनेस में मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित होने वाले जगदीप छोकर चार साल तक इंटरनेशनल मार्केटिंग मैनेजर की भूमिका निभा चुके हैं। वहीं अहमदाबाद के इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट में टीचर, ट्रेनर, रिसर्चर, निदेशक के रूप में 1885 से लेकर 2006 तक रहे। इसके अलावा भारतीय रेलवे में इंजीनियर मैनेजर के तौर पर भी काम कर चुके हैं। उनकी बिजनेस मैनेजमेंट पर की गई रिसर्च इंटरनेशनल जर्नल्स में प्रकाशित हो चुकी है।

दैनिक भास्कर - 24-11-18

आयोजन   गुजवि में विभिन्न विषयों पर शुरू हुआ रिफ्रेशर कोर्स

शिक्षा ऐसी हो जो रोजगार दिलवा सके : टंकेश्वर

गुजवि में रिफ्रेशर कोर्स के प्रतिभागियों के साथ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

जागरण संवाददाता, हिसार : गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा है कि शिक्षा ऐसी होनी चाहिए जो सम्मानजनक रोजगार दिलाने में सक्षम हो। यह तभी संभव है जब विद्यार्थियों को कौशल युक्त बनाया जाए। यह कार्य शिक्षक ही कर सकते हैं।

प्रो. टंकेश्वर कुमार यूजीसी-मानव संसाधन विकास केन्द्र के सोमवार से कॉमर्स, अर्थशास्त्र व प्रबंधन विषय पर शुरू हुए रिफ्रेशर कोर्स के शुभारंभ समारोह को बतौर मुख्यातिथि सम्बोधित कर रहे थे। समारोह की अध्यक्षता यूजीसी-मानव संसाधन विकास केन्द्र के निदेशक प्रो. नीरज दिलबागी ने की। कोर्स कोर्डिनेटर हरियाणा स्कूल ऑफ बिजनेस के डा. दलबीर सिंह हैं। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि विद्यार्थियों के कौशल को जांचने के मापदंड भी नए ढंग से स्थापित किए जाने चाहिएं। समस्याओं का समाधान करने की क्षमता तथा सृजनात्मकता जैसे कौशल परीक्षा प्रणाली का हिस्सा होने चाहिएं। प्रो. नीरज दिलबागी ने कहा कि शिक्षक की समाज के प्रति जवाबदेही सबसे अधिक है। उन्होंने बताया कि इस रिफ्रेशर कोर्स में देश के नौ से अधिक राज्यों के 42 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं।

छात्रों को दिए साक्षात्कार के टिप्स

जागरण संवाददाता, हिसार : गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल व प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी विभाग द्वारा संयुक्त रूप से प्रिंटिंग विभाग के अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए एक दिवसीय मॉक प्लेसमेंट ड्राइव-कम-वर्कशॉप का आयोजन किया गया। प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी विभाग के पूर्व छात्र व टाइम्स के निदेशक पंकज चौधरी ने एक दिवसीय कार्यशाला के विभिन्न सत्रों में विद्यार्थियों को प्रशिक्षण दिया। कार्यशाला में विद्यार्थियों को कंपनी द्वारा दी जाने वाली प्री-प्लेसमेंट टॉक, एप्टीट्यूड टेस्ट, समूह वार्तालाप व साक्षात्कार के बारे में जानकारी दी। ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के निदेशक प्रताप सिंह मलिक ने बताया कि कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों को प्लेसमेंट की प्रक्रियाओं से रूबरू कराना व निपुण बनाना था। उन्होंने बताया कि कार्यशाला में विद्यार्थियों को वर्तमान के उद्योगों की मांग के अनुसार एप्टीट्यूड टेस्ट, समूह वार्तालाप व साक्षात्कार के बारे में टिप्स दिए गए। विद्यार्थियों ने भी विशेषज्ञों से प्रश्न पूछे और विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को विस्तृत जानकारी देकर उनकी आशंकाओं को दूर किया।

इस कार्यशाला में प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी विभाग के 30 विद्यार्थियों ने भाग लिया। ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट अधिकारी संजय सिंह ने बताया कि एप्टीट्यूड टेस्ट में मोहित चामल ने पहला, अक्षय नंदवानी ने दूसरा और चिराग ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। साक्षात्कार में शुभम जैन ने प्रथम, प्रद्युमन ने दूसरा, अवि जांगड़ा व दिगराम ने संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त किया।

गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय में समूह वार्तालाप में भाग लेते विद्यार्थी। • जागरण

दैनिक जागरण - 27-11-18

गुजवि विद्यार्थी ने इनोवेटिव आइडिया किया विकसित

आशीष ने इजाद की हाइब्रिड इलेक्ट्रिक साइकिल

हरिभूमि न्यूज ▸▸ हिसार

- कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि आइडियाज को विकसित करने के लिए विद्यार्थी को प्रोत्साहित किया जाएगा

गुरु जम्भेश्वर विश्वद्यालय के मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के प्रथम वर्ष के विद्यार्थी आशीष ने इनोवेटिव आइडिया विकसित किया है। आशीष ने हाइब्रिड इलेक्ट्रिक साइकिल तैयार की है। आशीष कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार से मिले तथा अपनी साइकिल उनके समक्ष प्रस्तुत की। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस इनोवेटिव आइडिया के लिए विद्यार्थी को बधाई दी और कहा कि आइडियाज को विकसित करने के लिए विद्यार्थी को प्रोत्साहित किया जाएगा।

60 किलीमीटर से ज्यादा प्रतिघंटा की रफ्तार

आशीष ने बताया कि यह साइकिल 60 किलोमीटर से ज्यादा प्रतिघंटा की रफ्तार से दौड़ सकती है। इसका वजन लगभग 50 किलोग्राम है। इसमें सामान्य से कुछ मोटे टायर लगे हैं।

यह साइकिल बैटरी व हाइपावर मोटर से ऑपरेट होती है तथा पेडल से भी चलाई जा सकती है। साइकिल में हार्न, इंडिकेटर, डिजिटल मीटर, हैडलाइट, बैकलाइट, ब्रेकलाइट, सेंसर, आदि उपकरण लगे हुए हैं। इसकी शक्ति क्षमता 220 किलोग्राम भार है। साइकिल की बैटरी चार से पांच घंटे में चार्ज होगी तथा एक बार चार्ज होने के बाद 50 से ज्यादा किलोमीटर तक चलती है। यह साइकिल देखने में काफी आकर्षित भी है।

मध्यमवर्गीय परिवार से हैं आशीष

आशीष एक मध्यमवर्गीय परिवार से संबंध रखते हैं। इनके पिता गांव मोहब्बतपुर ढाणी में किरयाणा की दुकान करते हैं। मां गृहिणी हैं। ये तीन भाई हैं। आशीष ने इसका श्रेय अपने माता-पिता को दिया है। आशीष विद्यालय जीवन से ही नए प्रोजेक्ट बनाने की रूचि रखते हैं। आशीष को यह आइडिया आम साइकिल चलाते हुए आया कि एक ऐसी साइकिल तैयार की जाए जो कि सामान्य व्यक्ति की पहुंच में हो और आसानी से ऑपरेट की जा सके तथा प्रदूषणमुक्त हो। देश के उन क्षेत्रों में जहां पर्यावरण प्रदूषण की समस्या अधिक हो वहां यह साइकिल काफी उपयोगी सिद्ध हो सकती है।

अभाविप ने किया सम्मानित

आशीष ने बताया कि विश्वविद्यालय के छात्र संगठन ने इसके लिए उनका काफी प्रोत्साहन किया तथा उन्हें अभाविप शील्ड से सम्मानित भी किया।

उन्होंने कहा कि इस तकनीक से किसी भी आम साइकिल को मोडिफाई कर सकते हैं। उनकी आगे की योजना साइकिल को ऑटो चार्ज करना है। इसमें पेडल्स के जरिये तथा सोलर पेनल लगाकर ऑटो चार्ज किया जा सकता है जिससे इसका कम्प्रैस्ड क्लोज्ड लुक भी सुंदर हो जाएगा। आशीष ने बताया कि अगर उन्हें वित्तीय सहायता मिले तो वे अच्छे से नए प्रोजेक्ट बना सकते हैं। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के छात्र संघ के प्रधान गौरव कादयान, कौशल घनघस उर्फ बाबा, गोल्डी कालड़ा उपस्थित थे।

हिसार। गुजवि में आशीष को प्रोत्साहित करते वीसी प्रो. टंकेश्वर कुमार।

हरिभूमि - 28-11-18